कक्षा-II

पाठ 4 रामायण–IV

पाठ 5 रामायण–V

पाठ 6 भगवद्गीता

4

रामायण–IV

पिछले पाठ में आपने पढ़ा कि राम ने दण्डकारण्य में चौदह हजार राक्षसों का वध किया था। तथा रावण ने मारिची की सहायता से सीता का हरण कर लिया था। राम शबरी से मिले तथा हनुमान के साथ सुग्रीव से उनकी मित्रता हो गई। इस पाठ में आप जानेंगे कि कैसे राम ने बाली का वध किया।

उद्देश्य

यह पाठ पढ़ने के बाद आप सक्षम होंगे–

- पाठ में दिये श्लोकों का उच्चारण कर पाने में; और
- रामायण की प्रसङ्गनुसार कहानी बता पाने में।

4.1 श्लोक 61–80

pdkj l[;a jkes.k çhr'pkokfXu lkf{kdeA
rrks okujjktsu ojkuqdFkua çfrAA1-1-61AA

इसके बाद वानरराज सुग्रीव ने राम पर विश्वास करते हुए दुखी मन से उनसे बाली की शत्रुता का संपूर्ण वृतान्त सुनाया।

jkek;kofnr lo ç.k;kí%f[kru pA
çfrKkr p jkes.k rnk okfyoèk çfrAA1-1-62AA

पूरा वृतान्त सुनने के बाद राम ने बाली का वध करने की प्रतिज्ञा ली। इसके बाद सुग्रीव ने बाली के बल–पराक्रम का वर्णन किया।

okfyu'p cyr= dFk;kekl okuj%A
lxho''kf³dr'pklhfUuR;a oh;.k jk?koAA1-1-63AA

jk?koçR;;kFk r nUnHk% dk;eÙkeeA
n'k;kekl lxhok egkiokr lfUuHkeAA1-1-64AA

सुग्रीव को राम के बलवान होने में शंका थी इसलिए उनकी जानकारी के लिए दुंदुभी राक्षस के बड़े शरीर की हड्डियों का ढेर जो कि एक पहाड़ सदृश था को दिखाया। उसको देखकर महाबली राम मुस्कुराने लगे।

mRLef;Rok egkckg% ç{; pkfLFk egkcy%A
iknk³x"Bu fp{ki lEi.k n'k;kstueAA1-1-65AA

fcHkn p iuL lkykUlIrdu eg"k.kkA
fxÇj jlkry po tu;UçR;; rFkkAA1-1-66AA

और अपने पैर के अंगूठे की ठोकर से उस राक्षस की हड्डियों के ढेर को दस योजन दूर पहुँच दिया। उसके बाद एक ही बाण से सात ताड वृक्षों को छेदता

हुआ, पहाड़ को तोडता हुआ वह बाण रसातल को चला गया। इसके बार सुग्रीव का संदेह दूर हो गया तथा उसका विश्वास बढ़ गया और वह प्रसन्न हो गया।

rr% çhreukLr:u foÜoLrLl egkdfi%A
fdf"dUèkk jkelfgrk txke p xgk rnkAA1-1-67AA

तदनन्तर सुग्रीव राम को साथ लेकर पर्वतों के बीच गुफा की तरह बनी किष्किन्धा नगरी पहुँचे। वहां पहुंच कर पीले नेत्र वाले सुग्रीव ने जोर से गर्जना की।

rrk·xtZ)fjoj% lqxzhok gefiZ³xy%A
rsu uknsu egrk fuTxke gjhÜoj%AA1-1-68AA

उस महागर्जना को सुन कर महापराक्रमी बाली बाहर निकला। पत्नी तारा के मना करने पर बाली ने तारा को समझाया और सुग्रीव से लड़ने लगा।

vuqekU; rnk rkjka lqxzhos.k lekxr%A
fut?kku p r=Sua 'kjs.kSdsu jk?ko%AA1-1-69AA

rr% lqxzhooapuk)Rok okfyuekgoA
lqxzhoes o rækT;s jk?ko% çR;iku;r~AA1-1-70AA

राम ने लड़ाई के दौरान युद्ध करते हुए बाली को दूर से ही एक ही बाण से मार

गिराया। इसके बाद सुग्रीव के कहने से बाली को मारने के पश्चात राम ने उसका राज्य (किष्किन्धा का राज्य) सुग्रीव को दे दिया। इसके बाद वानरराज सुग्रीव ने सभी वानरों को एकत्रित किया।

l p lokUlekuh; okujkUokuj"kHk%A
fn'k% çLFkki;kekl fnn{kq tudkRetke AA1-1-71AA

rrk xèkL; opukR lEikrsguZekUcyhA
'kr;kstufoLrh.ka iqIyqos yo.kk.koe AA1-1-72AA

तदर्नतर उन सभी वानरों को सीता को खोजने के लिए सभी दिशाओं में भेजा। तब सम्पाति नामक गृद्ध के बतलाने पर महापराक्रमी हनुमान सौ योजन चौड़े खारे पानी (लवणयुक्त) वाले समुद्र को लांधकर रावण द्वारा पालित की जा रही लंका नगरी में पहुँचे।

r= y³dka leklk| iqjÈ jko.kikfyrke A
nn'k lhrka è;k;Urhe'kksdofudka xrke AA1-1-73AA

वहां पर उन्होंने अशोक वन में राम के ध्यान में बैठी सीता को देखा और फिर राम के द्वारा दी गई अंगूठी उन्हें देकर राम का पूरा हाल कह सुनाया।

fuosn;Rok--fHkKku çoÇÙk p fuos| pA
lekÜokL; p osngÈ enZ;kekl rksj.ke AA1-1-74AA

इसके बाद हनुमान ने सीता को ढाढस बंधाया। फिर वहां मुख्य दरवाजा (तोरण) को तोड़ दिया तथा वहां उपस्थित रावण के पाँच सेनापतियों और सात मंत्रियों को मार दिया।

i¥p lukxxkUgRok llrefU=lrkufiA
'kje{k p fuf"i"; xg.k leikxer AA1-1-75AA

vL=.kkUeäekReku KkRok irkegk}jkrA
e"k;uk{kklkUohjk ;fU=.kLrkU;nPN;kAA1-1-76AA

इसके बाद शूरवीर अक्षय कुमार (रावण पुत्र) को पीस कर अर्थात मार कर आत्मसमर्पण कर दिया। हनुमान ने पितामह (ब्रह्माजी) के वरदान के प्रभाव से स्वयं को ब्रह्मास्त्र से मुक्त समान कर राक्षसों की इच्छानुसार अपने को उनसे बंधवा लिया, उन सबके अनादर सहते रहे और फिर सीता जहां पर थी उस स्थान को छोड़कर सम्पूर्ण लंका को अग्नि के हवाले कर दिया।

rrk nXèok ijÈ y³dke'r lhrk p efFkyheA
jkek; fç;ek[;kr iujk;kUegkdfi%AA1-1-77AA

lk·fèkxE; egkReku dRok jke çnf{k.keA
U;on;ne;kRek n"Vk lhrfr rÙor%AA1-1-78AA

उसके बाद हनुमान राम को यह सुखद समाचार देने के लिए लौट आये। वापस

आकर अपरिमित धैर्यवान और पराक्रमी हनुमान ने राम की परिक्रमा कर सीता को देखने का पूरा वृतान्त उनको सुनाया। तब राम सुग्रीव आदि को साथ लेकर समुद्र तट पर पहुँचे।

rrLlxho lfgrk xRok rhj egknèk%A
leæ {kkHk;kekl 'kjjkfnR;lfUuHk%AA1-1-79AA

वहां पहुँच कर सूर्य के समान चमकते हुए तीक्ष्ण बाण से समुद्र को क्षुब्ध कर दिया। तदन्तर नदीपति समुद्र उनके सामने उपस्थित हुआ।

n'k;kekl pkReku leæLlfjrk ifr%A
leæopukPpo uy lredkj;rAA1-1-80AA

और समुद्र के कथनानुसार नल ने समुद्र पर सेतु का निर्माण किया। उस सेतु को पार कर राम लंका पहुँचे और रावण का युद्ध में वध कर दिया।

पाठगत प्रश्न 4.1

1. बाली को किसने मारा?

2. बाली को मारने के बाद राम ने किसे राजा बनाया?

3. लंका में सीता कहां पर थी?

4. हनुमान ने सीता को निशानी के रूप में क्या दिया था?

आपने क्या सीखा

- राम द्वारा सुग्रीव की सहायता किये जाने का वचन।
- राम द्वारा बाली का वध।
- हनुमान द्वारा लंका में सीता का पता लगाना।
- हनुमान द्वारा लंका दहन।
- राम द्वारा रावण का वध।

पाठांत प्रश्न

1. सुग्रीव को अपनी शक्तियों पर विश्वास दिलाने के लिए राम ने क्या किया?
2. हनुमान ने सीता को कैसे खोजा?
3. रावण के सैनिकों द्वारा पकड़ लिये जाने पर हनुमान ने लंका में क्या किया?

उत्तरमाला

4.1

1. राम
2. सुग्रीव
3. अशोक वन